

समाचार वाणी

खबर जो करें असर !

नाशिक | Wednesday, 09 September 2026

संघर्ष से सफलता तक : काव्या फर्निचर के मालिक नंदकुमार जगताप की प्रेरणादायक जीवनगाथा

Sanket Morankar

Published on 20 Dec 2025



संघर्ष, मेहनत और ईमानदारी के बल पर सफलता प्राप्त करने वाले व्यक्तित्व समाज के लिए हमेशा प्रेरणा का स्रोत होते हैं। ऐसी ही एक प्रेरणादायक कहानी है काव्या फर्निचर के मालिक **नंदकुमार जगताप** की, जिन्होंने जीवन की कठिन से कठिन परिस्थितियों का सामना करते हुए आज एक सफल व्यवसाय खड़ा किया है।

नंदकुमार जगताप का जन्म महाराष्ट्र के देवळा तालुका के श्रीरामपुर क्षेत्र के एक छोटे से गांव में हुआ। उनका बचपन बेहद संघर्षपूर्ण रहा। जब नंदकुमार मात्र दो वर्ष के थे, तभी उनके पिता का निधन हो गया। इतनी छोटी उम्र में पिता का साया उठ जाने से उनका जीवन एकदम बदल गया। इसके बाद उनकी परवरिश का जिम्मा उनकी आजी, आजोबा और मामा ने संभाला। सीमित साधनों और आर्थिक तंगी के बीच उनका बचपन बीता।

आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण नंदकुमार की पढ़ाई भी काफी कठिनाइयों से भरी रही। कई बार हालात ऐसे बने कि शिक्षा अधूरी छूटने का खतरा पैदा हो गया, लेकिन परिवार के सहयोग और अपनी जिद के दम पर उन्होंने जैसे-तैसे 10वीं कक्षा तक शिक्षा पूरी की। आगे की पढ़ाई संभव नहीं हो पाई, लेकिन उनके मन में कुछ कर दिखाने की आग हमेशा जलती रही।

साल 2006 में नंदकुमार ने अपने जीवन का अहम फैसला लिया। उन्हें फर्निचर के काम में विशेष रुचि थी और इसी रुचि को उन्होंने अपने भविष्य का रास्ता बनाने का निर्णय किया। इस दौरान उन्हें अपने मामा का भरपूर सहयोग मिला, जिन्होंने उन्हें इस काम की बारीकियां सिखाईं और आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया।

फर्निचर व्यवसाय को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से नंदकुमार नाशिक आए और वहीं से अपने करियर की नई शुरुआत की। नाशिक में उन्होंने लगभग 10 वर्षों तक कड़ी मेहनत की। शुरुआत में काम छोटा था, संसाधन सीमित थे और चुनौतियां कई थीं, लेकिन उन्होंने कभी हार नहीं मानी। ग्राहक संतुष्टि, गुणवत्तापूर्ण काम और ईमानदारी को उन्होंने अपने व्यवसाय की नींव बनाया।

साल 2021 में नंदकुमार का विवाह हुआ और आज वे एक चार साल की बेटि के पिता हैं। परिवार की जिम्मेदारियों के साथ-साथ व्यवसाय को संभालना उनके लिए एक बड़ी चुनौती थी। इसी दौरान कोरोना महामारी ने पूरे देश के साथ-साथ उनके व्यवसाय को भी बुरी तरह प्रभावित किया।

कोरोना काल में फर्निचर का काम लगभग ठप हो गया। आमदनी बंद हो गई और खर्चे बढ़ते चले गए। हालात इतने बिगड़ गए कि कर्ज का बोझ लगातार बढ़ता गया। यह समय उनके जीवन का सबसे कठिन दौर था। आर्थिक तनाव और मानसिक दबाव के चलते वे पूरी तरह टूट चुके थे। एक समय ऐसा भी आया जब उन्होंने जीवन समाप्त करने जैसा कठोर विचार तक कर लिया था।

लेकिन इसी नाजुक मोड़ पर उनके परिवार ने उनका साथ नहीं छोड़ा। घरवालों ने उन्हें हिम्मत दी, समझाया और संभाला। परिवार के इस भावनात्मक सहारे ने नंदकुमार को दोबारा खड़े होने की ताकत दी। इसके बाद उन्होंने नाशिक छोड़कर अपने गांव वापस लौटने का फैसला किया, ताकि नए सिरे से जीवन और व्यवसाय की शुरुआत की जा सके।

गांव लौटने के बाद नंदकुमार ने पूरी ऊर्जा और नए जोश के साथ फिर से फर्निचर के काम में कदम रखा। उन्होंने अपने अनुभव, मेहनत और ईमानदारी के दम पर धीरे-धीरे व्यवसाय को दोबारा खड़ा किया। ग्राहकों का विश्वास जीतना उनकी सबसे बड़ी पूंजी बना।

आज काव्या फर्निचर एक भरोसेमंद नाम बन चुका है। बीते 15-16 वर्षों के अनुभव के साथ नंदकुमार जगताप ने यह साबित कर दिया कि अगर नीयत साफ हो, मेहनत सच्ची हो और परिवार का साथ मिले, तो कोई भी मुश्किल इंसान को तोड़ नहीं सकती।

अपनी सफलता का श्रेय नंदकुमार अपनी पूरी फैमिली और अपनी टीम को देते हैं। उनका मानना है कि व्यवसाय में ईमानदारी सबसे बड़ा हथियार है। कठिन परिस्थितियों से निकलकर उन्होंने जो मुकाम हासिल किया है, वह आज कई युवाओं के लिए प्रेरणा है।

नंदकुमार जगताप की यह जीवन यात्रा हमें सिखाती है कि असफलता अंतिम नहीं होती। हर अंधेरी रात के बाद एक नई सुबह जरूर आती है। जरूरत है तो सिर्फ धैर्य, मेहनत और खुद पर विश्वास बनाए रखने की।

नंदकुमार जगताप की मेहनत, समर्पण और व्यवसायिक उपलब्धियों को देखते हुए उनका चयन महाराष्ट्र के प्रतिष्ठित पुरस्कारों के लिए किया गया है। उन्हें “**Maharashtra Business Icon 2025 / Maharashtra Style Icon 2025 / Maharashtra Fashion Icon 2025**” जैसे सम्मानित अवॉर्ड्स से नवाजा जाएगा।

यह सम्मान **Reseal.in** और **India Fashion Icon Magazine** द्वारा प्रदान किया जा रहा है, जो महाराष्ट्र के उभरते हुए उद्यमियों, व्यवसायिक प्रतिभाओं और रचनात्मक व्यक्तित्वों को एक राष्ट्रीय मंच प्रदान करने के लिए जाना जाता है।

यह चयन न केवल नंदकुमार जगताप के लिए, बल्कि उनके पूरे क्षेत्र और समाज के लिए भी गर्व का विषय माना जा रहा है।

इस भव्य पुरस्कार समारोह में फिल्म जगत की जानी-मानी हस्तियों की विशेष उपस्थिति रहेगी, जिनमें शामिल हैं:

- **वर्षा उसगांवकर** (प्रसिद्ध बॉलीवुड अभिनेत्री)
- **सोनाली कुलकर्णी** (लोकप्रिय भारतीय अभिनेत्री)
- **प्रार्थना बेहेरे** (प्रसिद्ध भारतीय अभिनेत्री)

इन प्रतिष्ठित हस्तियों की मौजूदगी से यह कार्यक्रम और भी भव्य एवं प्रेरणादायक बनने जा रहा है।

यह सम्मान समारोह **श्री सुधीर कुमार पठाडे**, Founder & CEO, **Reseal.in (Sure Me Multipurpose Pvt. Ltd.)** के नेतृत्व में आयोजित किया जा रहा है।

श्री पाथडे पिछले कई वर्षों से महाराष्ट्र के उभरते उद्यमियों, डिजाइनर्स और रचनात्मक प्रतिभाओं को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने का महत्वपूर्ण कार्य कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में आयोजित यह कार्यक्रम राज्य के प्रतिभाशाली व्यवसायियों और कलाकारों के लिए एक सशक्त मंच साबित हो रहा है।